इकाई-III

9. कबीर की साखियाँ

प्रस्तावना प्रसंग–

पंछी, मानव, फूल, जल, अलग-अलग आकार।
माटी का घर एक ही, सारे रिश्तेदार।।

- निदा फ़ाज़ली

प्रश्न

1. प्रस्तुत दोहे में सबको माटी का घर क्यों कहा गया है?
2. पृथ्वी के सारे प्राणी एक-दूसरे के संबंधी हैं। कैसे?
3. इस दोहे का संदेश क्या है?

SCERT TELANGANA

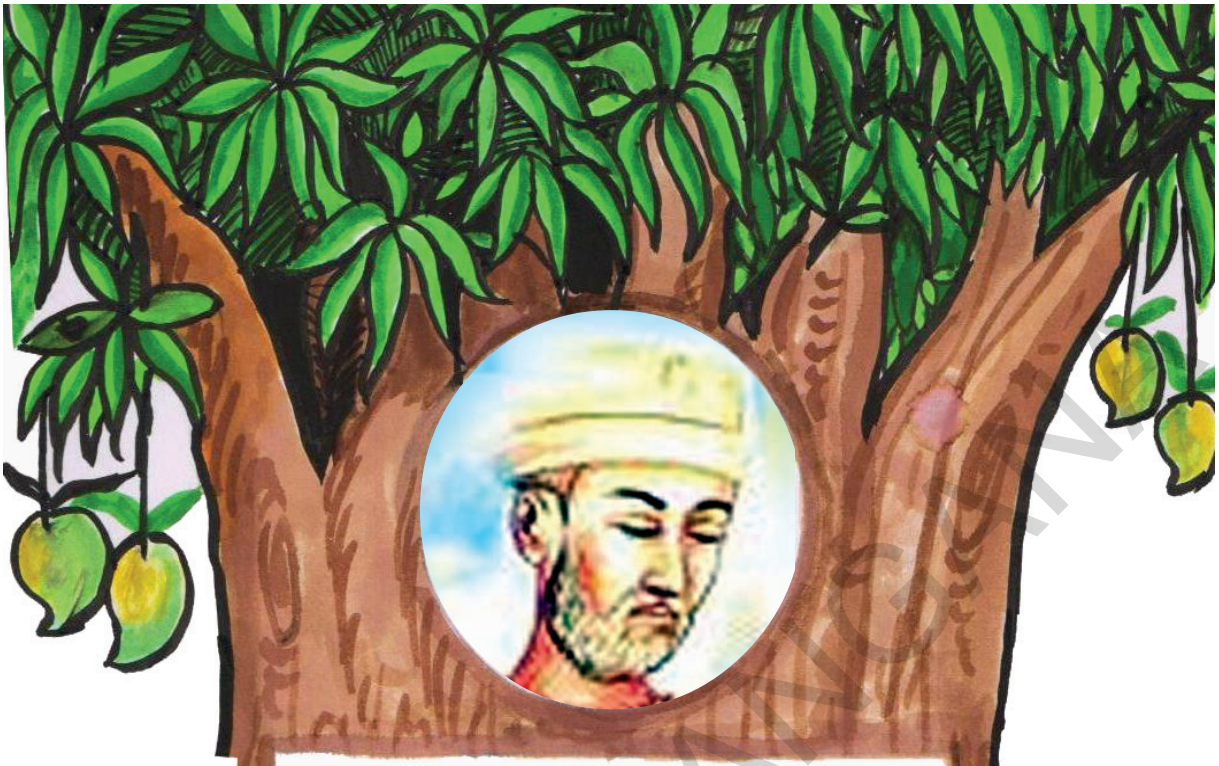

जाति न पूछो साधु की, पूछ लीजिए ज्ञान।
मोल करो तरवार का, पड़ा रहन दो म्यान।।1।।

आवत गारी एक है, उलटत होइ अनेक।
कह कबीर नहिं उलटिए, वही एक की एक।।2।।

माला तो कर में फिरै, जीभि फिरै मुख माँहि।
मनुवा तो दहुँ दिसि फिरै, यह तौ सुमिरन नाहिं।।3।।

कबीर घास न नींदिए, जो पाऊँ तलि होइ।
उड़ि पड़ै जब आँखि मैं, खरी दुहेली होइ।।4।।

जग में बैरी कोइ नहीं, जो मन सीतल होय ।
या आपा को डारि दे, दया करै सब कोय।।5।।

संत सुधासार : सं.- वियोगी हरि

SCERT TELANGANA

तेलंगाणा सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2020-21

प्रश्न-अभ्यास

सुनिए-बोलिए

1. वर्तमान समय में कबीर के दोहों की सार्थकता पर चर्चा कीजिए।
2. हम जानते हैं कि कबीर पढ़े-लिखे नहीं थे, किन्तु इनके दोहे नीतिपूर्ण एवं ज्ञानवर्द्धक हैं। इस प्रकार निरक्षर होना साक्षर होने से अधिक महत्वपूर्ण है। चर्चा कीजिए।

पढ़िए

1. तलवार का महत्व होता है म्यान का नहीं। उक्त उदाहरण से कबीर क्या कहना चाहते हैं?
2. पाठ की तीसरी साखी, जिसकी एक पंक्ति है- "मनुवा तो दहुँ दिसि फिरै, ये तो सुमिरन नाहिं।" के द्वारा कबीर क्या कहना चाहते हैं?
3. कबीर घास की निंदा करने से क्यों मना करते हैं? पढ़े हुए दोहे के आधार पर स्पष्ट कीजिए।
4. मनुष्य के व्यवहार में ही दूसरों को विरोधी बना लेने वाले दोष होते हैं। यह भावार्थ किस दोहे में व्यक्त होता है?
5. कबीर ने किस दोहे में अपशब्द का प्रयोग न करने के लिए कहा है?
6. "सभी प्रकार के मनुष्य एक ही प्रकार से देखते-सुनते हैं। पर एक समान विचार नहीं रखते। सभी अपनी-अपनी मनोवृत्तियों के अनुसार कार्य करते हैं।" पाठ में आये कबीर की किस साखी से उपर्युक्त पंक्तियों के भाव मिलते हैं।

लिखिए

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर चार-पाँच वाक्यों में लिखिए।

1. गर्व त्याग करने से क्या लाभ है?
2. ईश्वर भक्ति में आडंबर नहीं होना चाहिए। इससे आप क्या समझते हैं?
3. जिसके पास ज्ञान है उसी की जाति श्रेष्ठ है, क्यों?

II. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर आठ-दस वाक्यों में लिखिए।

1. कबीर ने अपने समय की रूढ़ियों व अंधविश्वासों का विरोध किया। आज भी हमारे समाज में अनेक प्रकार की रूढ़ियाँ विद्यमान हैं। वे क्या हैं? सोचकर लिखिए।
2. कबीर ने तत्कालीन रूढ़ियों व अंधविश्वासों को मिटाने के लिए कविताएँ लिखीं। आप आज की रूढ़ियों को दूर करने के लिए क्या करना चाहेंगे?

SCERT TELANGANA

शब्द भंडार

1. "या आपा को डारि दे, दया करे सब कोय"
   "ऐसी बानी बोलिए मन का आपा खोय।"
   इन दोनों पंक्तियों में 'आपा' को छोड़ देने या खो देने की बात की गई है। 'आपा' किस अर्थ में प्रयुक्त हुआ है। क्या 'आपा', 'स्वार्थ' के निकट का अर्थ देता है या 'घमंड' का?
2. 'माला तो कर में फिरै।' इस चरण में आये कर का अर्थ क्या है– ( )
   क. करना ख. हाथ ग. चुंगी
3. 'मनुवा तो दहुँ दिसि फिरै।' इस चरण में आये दिसि का अर्थ है– ( )
   क. देश ख. दिन ग. दिशा

भाषा की बात

बोलचाल की क्षेत्रीय विशेषताओं के कारण शब्दों के उच्चारण में परिवर्तन होता है, जैसे– **वाणी** शब्द **बानी** बन जाता है। **मन** से **मनवा, मनुवा** आदि हो जाते हैं। उच्चारण के परिवर्तन से वर्तनी भी बदल जाती है। नीचे कुछ शब्द दिये जा रहे हैं उनका वह रूप लिखिए जिससे आपका परिचय हो– ग्यान, जीभि. पाऊँ. तलि, आँखि, बरी।

प्रशंसा

पहले की कविताएँ अधिक नीतिपरक और उपदेशात्मक होती थीं। हमारे जीवन में साधु, संतों व बुजुर्गों के नीतिपरक संदेशों का क्या महत्व है?

सृजनात्मक अभिव्यक्ति

आपने कबीर के उपदेशात्मक दोहे पढ़े। इन दोहों को सूक्ति वाक्यों के रूप में लिखिए।

परियोजना कार्य

पाँच अन्य नीतिपरक दोहों का संकलन कीजिए और उनके भावार्थ लिखिए।

क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. पाठ के भाव के बारे में बातचीत कर सकता/सकती हूँ।		
2. पाठ के विषय में मौखिक व लिखित अभिव्यक्ति कर सकता/सकती हूँ।		
3. पाठ के शब्दों का प्रयोग अपनी भाषा में कर सकता/सकती हूँ।		
4. नीतिपरक बातों का महत्व बता सकता/सकती हूँ।		
5. ज्ञात विषय संबंधी सूक्ति वाक्यों का निर्माण कर सकता/सकती हूँ।		

SCERT TELANGANA

तेलंगाणा सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2020-21